

an>

Title: Need to open polytechnic in Diglipur and Nicobar Islands.

श्री विष्णु पद राय (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) : अध्यक्ष महोदय, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में इलेक्थ प्लान में वर्ष 2008-09 में रिक्त मिशन के माध्यम से जिस जिले में पॉलीटेक्नीक नहीं हैं, ऐसे 300 स्थानों के लिए पॉलिटेक्नीक सैवशन हुआ था। इसमें निकोबार में निकोबारी ट्राइबल्स के लिए और नॉर्थ मिडिल में डिग्लीपुर द्वीप में पॉलिटेक्नीक खोलने के लिए सैवशन हुआ था। आज वर्ष 2015 हो गया, पर वह आज तक नहीं खोला गया।

मैंडम, यह एक बहुत सीरियस मामला है और भारत सरकार के खिलाफ एडमिनिस्ट्रेशन काम कर रहा है। उसके बाद आज देश में जिस डिस्ट्रिक्ट में पॉलीटेक्नीक नहीं हैं, उनमें अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के दो नाम - डिग्लीपुर और निकोबार - थे। उसके लिए सरकार की तरफ से 12.30 करोड़ रुपए देने का प्रावधान था। हमारे प्रशासन ने उस पर कोई कार्रवाई नहीं किया। उसके पश्चात् यहां से बराबर पत्र जा रहा था। ज्वान्ट सेक्टरी ने यहां से दिनांक 07 मई, 2015 को अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के सी.एस. को पत्र लिखा कि इन 300 पॉलीटेक्नीक से 291 पॉलीटेक्नीक बन चुके हैं और केवल अंडमान और निकोबार के दो पॉलीटेक्नीक बाकी रह गए। उसमें यह कहा गया कि आप हमें लैंड दे दीजिए और आपको 12.30 करोड़ रुपए मिलेंगे और आपको पॉलीटेक्नीक चलाना है। लेकिन, यहां के प्रशासन ने उस पर कार्रवाई नहीं की।

मैंडम, मैंने पार्लियामेंट में पृथक संख्या 2355 के माध्यम से सवाल किया। उसका जवाब दिनांक 14.12.2015 को आया। हमारे शिक्षा मंत्री जी ने यहां के एडमिनिस्ट्रेशन का हवाला देते हुए यह जवाब दिया कि अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में डिग्लीपुर और निकोबार में पॉलीटेक्नीक नहीं खोला जाएगा, क्योंकि इसकी जरूरत नहीं है, जबकि केवल पोर्ट ब्लेयर शहर में एकमात्र पॉलीटेक्नीक है। यहां पर कम से कम दो हजार बच्चे हैं, जो यहां पॉलीटेक्नीक में एडमिशन के लिए आवेदन कर रहे हैं, लेकिन उस एकमात्र पॉलीटेक्नीक में केवल 280 बच्चों के लिए सीटें हैं।

मैंडम, मुझे बस एक मिनट का समय दीजिए। यहां के सरकारी कर्मचारी जान-बूझकर सरकार के खिलाफ काम कर रहे हैं। वे नेग्लिजेंस कर रहे हैं। उनके खिलाफ रूल 3 ऑफ सी.सी.ए. रूल्स, 1965 के मुताबिक कार्रवाई की जाए और डिग्लीपुर तथा निकोबार द्वीपों में सरकार दस एकड़ जमीन दे और कंसर्न्ड लेटर भेजे, ताकि भारत सरकार से एक महीने के अंदर में 12.30 करोड़ रुपए का सैवशन ऑर्डर आ जाए।...(व्यवधान)